दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के सदस्यों के साथ विडियो कांफ्रेंस के अवसर पर भाषण

दिनांक 14 जून, 2020

नई दिल्ली

सबसे पहले मैं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार प्रकट करता हूं कि आज आप सब से जुड़ने और बातचीत करने का मुझे अवसर प्रदान किया गया है। यहां इस ऑनलाईन डिजिटल मंच के माध्यम से आप सब से जुड़ कर, बातें कर के मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

आपकी संस्था जैन समाज की राष्ट्रीय स्तर पर एक विशाल संस्था है जिसके पूरे देश में सैंकड़ों सक्रिय सोशल ग्रुप्स हैं और इनमें लगभग 2 लाख दम्पत्ति सदस्य हैं। इस प्रकार पूरे देश में आपकी संस्था की पहुंच है।

साथियो, जैन समाज ने सदैव अपने कार्यों से अपनी पहचान बनाई है और अपनी कार्य शैली से एक विशिष्ट छाप छोड़ी है। यह अपनी समृद्ध परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक मूल्यों से पूरी तरह जुड़ी हुई है और भविष्य के लिए आदर्श नागरिक तैयार करने में अपना सार्थक योगदान दे रही है। जैन समाज का सेवा भाव और जनकल्याण के उनके कार्य सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

जैन परम्परा नैतिक मूल्यों से समृद्ध परम्परा है और प्रारंभ से ही मानवीय संवेदनाओं एवं करूणाभाव से परिपूर्ण रही है। जैन समाज की मान्यता है कि सभी जीवों में परमात्मा का वास होता है और इसलिए 'मानव सेवा ही माधव सेवा' मानी गई है। अपने जीवन से लेकर अपनी मृत्यु तक हम किसी न किसी रूप में समाज पर निर्भर रहते हैं। इस प्रकार हम समाज के ऋणी होते हैं और समाज के प्रति आभारी होते हैं। अतः, इस मायने में हमारा यह कर्तव्य बन जाता है हम इस ऋण भार से मुक्त होने का प्रयास करें और अपने जीवन में समाज से जो हमने प्राप्त किया है उसे समाज को लौटाने का भी प्रयास करें।

समाज सेवा हमें समाज को अपनी ओर से कुछ देने का अवसर प्रदान करती है, जितना हमने प्राप्त किया है उसकी तुलना में चाहे उसकी मात्रा अल्प ही क्यों न हो।

वास्तव में देखा जाए तो मानवता की सेवा करने के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। हम ऐसे अवसरों से घिरे हुए हैं, आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम सही दृष्टिकोण के साथ उन अवसरों को पहचानें और उस दिशा में कार्य करें।

वर्तमान समय में कोविड महामारी से पूरा विश्व जूझ रहा है। हमारे देश में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज का हर तबका इससे प्रभावित हो रहा है। देश व्यापी लॉकडाऊन से हमें संक्रमण की गति को नियंत्रित करने में मदद मिली है। लेकिन हमें आर्थिक हालात की भी चिंता करनी है। देश में बहुत बड़ी जनसंख्या ऐसी है जिसका जीवन रोजमर्रा की आर्थिक गतिविधियों पर निर्भर करता है। ऐसे में हमें इस लॉकडाऊन की स्थिति से धीरे-धीरे बाहर निकलना भी जरूरी है। यह बड़ा ही क्रिटिकल फेज़ है। इसीलिए हमें संक्रमण के बढ़ते हुए मामले देखने को मिल रहे हैं।

सरकार अपने स्तर पर हर तरह का प्रयास कर रही है- चाहे वह मेडिकल क्षेत्र में हो या फिर आर्थिक सहायता की बात हो। ऐसे समय में जबकि पूरे देश में महामारी का प्रकोप है, लोकोपकारी संस्थाओं के कार्यों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। मुझे बड़ी खुशी है कि ऐसे में आपकी संस्था दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन गरीबों और जरूरतमंदों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करा रही है। चाहे वह भोजन का वितरण हो, राशन का वितरण हो, किसी प्रकार की मेडिकल हेल्प पहुंचानी हो या प्रशासन की मदद करनी हो। आपकी संस्था की उपस्थिति हर जगह दिख रही है। साथ ही आप सब ने अपने स्तर से पीएम केयर फंड में भी सहयोग दिया है। देश व समाज इस आपात स्थिति में आपके द्वारा किए जा रहे इन सहायता कार्यों को कभी नहीं भूलेगा।

मित्रो, भगवान महावीर के उपदेशों में भी मानवता की सेवा के महत्व पर ज़ोर दिया गया है। यही कारण है कि हमें अपने आस-पास इतने सारे अस्पताल, स्कूल और लोकोपकारी अन्य संस्थान दिखाई देते हैं, जो जैन समाज द्वारा स्थापित और संचालित हैं। उनके परोपकारी कार्यों से समाज के हर तबके की भलाई के लिए जन सेवा किए जाने और लोकोपकारी कार्य किए जाने की भावना को बढावा मिलता है।

हमारे देश की कुल जनसंख्या का एक छोटा-सा हिस्सा होने के बावजूद भी, जैन समाज ने राष्ट्र निर्माण में बड़े पैमाने पर योगदान दिया है और हमारे राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक जीवन पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

जैसाकि हम सब जानते हैं कि जैन धर्म में ऊंच-नीच, अमीर-गरीब का भेद-भाव मिटा कर शोषित और वंचित वर्ग के लोगों से समान व्यवहार किया जाता है। इस प्रकार इसने एक ऐसे समरस समाज के विकास को बढावा दिया जिसमें सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है।

बदलते हुए समय के साथ, विश्व में बढ़ती हुई भौतिकता और इच्छाओं को ध्यान में रखते हुए हमें आत्मावलोकन करने और विशेषकर युवाओं द्वारा सही मूल्यों को अपनाए जाने के लिए नए तौर-तरीकों को खोजना होगा।

युवाओं को सामाजिक मुद्दों और विकास के मुद्दों के बारे में सकारात्मक और सक्रिय सोच रखनी चाहिए। उन्हें भावनात्मक और विभाजनकारी मुद्दों के बहाव में आकर अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बर्बाद नहीं करनी चाहिए। वे हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता और बहुलवादी संस्कृति को बढावा देने में सकारात्मक योगदान कर सकते हैं। हम सबको, विशेष रूप से हमारे युवा वर्ग को यह समझना चाहिए कि शांति आर्थिक विकास का मूल आधार है। यदि हमें आर्थिक और राजनीतिक महाशक्ति का दर्जा प्राप्त करना है, तो इतिहास की भूलों को दोहराया नहीं जाना चाहिए।

जैन समाज ने राष्ट्र के उत्थान और प्रगति में उल्लेखनीय योगदान किया है। आपकी संस्था ने समाज सुधार के अग्रदूत के रूप में अपनी प्रशंसनीय भूमिका निभायी है। समय के साथ-साथ समाज में हो रहे परिवर्तनों के अनुरूप आपकी संस्था ने स्वयं को ढाला है। इसने हमारे सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सशक्त रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। इसलिए आज यह एक प्रगतिशील मंच के रूप में स्थापित और सर्वमान्य हो चुकी है।

मित्रो, 'अहिंसा और मानव सेवा' जैन समाज का हमेशा से आदर्श सूत्र रहा है। इसी आदर्श के अनुरूप यह संस्था मानवता की सेवा के प्रति पूरे समर्पण और पूरी निष्ठा के साथ सम्पूर्ण समाज को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है।

साथियो, जैन समाज के लोग सदैव परोपकारी स्वभाव के रहे हैं। उन्होंने जैन भवनों, पब्लिक स्कूलों, अस्पतालों छात्रावासों आदि का निर्माण किया है। इसके अलावा उन्होंने छात्रवृत्तियां प्रदान करने और जनता से जुड़े अन्य कार्यकलापों के प्रयोजन हेतु व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से अनेक न्यासों का गठन किया है। उनके संस्थान सभी स्थानों पर वंचित और जरूरतमंद वर्गों की सहायता के अपने प्रभावी तरीकों के लिए जाने जाते हैं।

मित्रो, किसी भी सामाजिक संगठन की उपयोगिता उसके कार्यो के परिणामों से ही तय होती है। आम लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों से ही ऐसे संगठनों की उपयोगिता का आकलन किया जा सकता है। अपने समुदाय के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन ने अपनी एक अलग पहचान बनायी है। यह न केवल समाज में भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहा है अपितु अपने विभिन्न कल्याणकारी कार्यों से वंचितों के उत्थान का भी कार्य कर रहा है।

मैं एक बार फिर आपकी संस्था द्वारा समाज की बेहतरी के साथ-साथ समग्र रूप से अपने राष्ट्र के कल्याण के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों की हृदय से सराहना करता हूँ। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके द्वारा किए जा रहे कार्य और सार्थक योगदान प्रेरक और प्रशंसनीय हैं। नर सेवा के इस कार्य के लिए हम आपकी संस्था के आभारी हैं जो मानव सेवा के अभियान में हमेशा तत्पर रहती है। मुझे आशा है कि दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन नामक यह संस्था आने वाले समय में भी हर प्रकार से अपनी उपयोगिता सिद्ध करेगी।

आज इस विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मैं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन को बधाई देता हूँ और उनके भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

.....